Patrika (Indore), 28th January 2025, Page - 05

आइआइटी इंदौर ने शुरू किया केंद्र

तकनीक और कृषि का मेल... एग्रीहब पर किसानों को मिलेगी हर जानकारी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. आइआइटी इंदौर ने किसानों की मदद और भारतीय कृषि को तकनीकी रूप से मजबूत बनाने के लिए 'एग्रीहब' केंद्र की शुरूआत की। इस परियोजना में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ), मशीन लर्निंग (एमएल) और डीप लर्निंग (डीएल) जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा। इसका उद्देश्य किसानों को नई तकनीकों से जोड़ना और खेती को ज्यादा लाभदायक बनाना है। उद्घाटन समारोह में इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन मुख्य अतिथि थे। इसके साथ ही आइसीएआर-सीआइएई भोपाल के निदेशक डॉ. सीआर मेहता, सी-डैक के महानिदेशक मगेश एथिराजन और आइसीएआर-आइआइएसआर इंदौर के निदेशक डॉ. कुंवर हरेंद्र सिंह भी शामिल हुए।

क्या है एग्रीहब?

एग्रीहब किसानों, शोधकर्ताओं और कृषि विशेषज्ञों को एक मंच पर लाने का प्रयास है। यहां खेती की समस्याओं का समाधान खोजने के लिए विशेषज्ञ मिलकर काम करेंगे। इससे किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने, सूखे और बाढ़ जैसी समस्याओं से निपटने और कम लागत में बेहतर परिणाम हासिल करने में मदद मिलेगी। आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा, इस परियोजना का मकसद किसानों की जिंदगी को आसान बनाना और उन्हें ज्यादा आय दिलाना है। प्रोफेसर अरुणा तिवारी ने बताया कि एग्रीहब किसानों की जरूरतों के हिसाब से तकनीकी समाधान देगा और नए-नए स्टार्टअप्स के लिए रास्ता खोलेगा। यह पहल भारतीय कृषि को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने की दिशा में एक बड़ा कदम है।